



नागराज और जादू का शहंशाह



मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर



नागराज और जादू का शहंशाह



लेखक : तरुण कुमार वाही चित्रांकन : प्रताप मुर्लीक

संपादन : मनीष चंद्र गुप्त

विश्व के कई आश्चर्यों में से एक इजिप्ट के पिरामिड व स्फिंक्स

पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण !

पोलीशिन से निर्मित स्फिंक्स की प्रतिकृति 55 फुट का बैलून जो असली स्फिंक्स के ऊपर उड़ाया गया।



जिस पर पड़ीं कई बुरी निगाहें -



इस बैलून पर हमारा कब्जा है।

पर पुलिस के रहते क्या ये सम्भव था ?



धोंय धोंय



हैण्ड्स अप

पुलिस!

आज तो बुरे फंसे स्फिंक्स के चक्कर में।











दूसरे ही पल चौंका नागराज —



सबकी नागिन में बदलकर नागराज के ओवरकोट की जेब में रेंग गई —



बदकिस्मती उन चारों की, कि वे ओवरकोट में होने के कारण उसे पहचान नहीं पाये जिसकी उन्हें तलाश थी।



नागराज नहीं हिला। हिले तलाशी लेने वाले !



क्यों बच्चो ! तलाशी नहीं लोगे मेरी ?

गोली मार दो इसे !

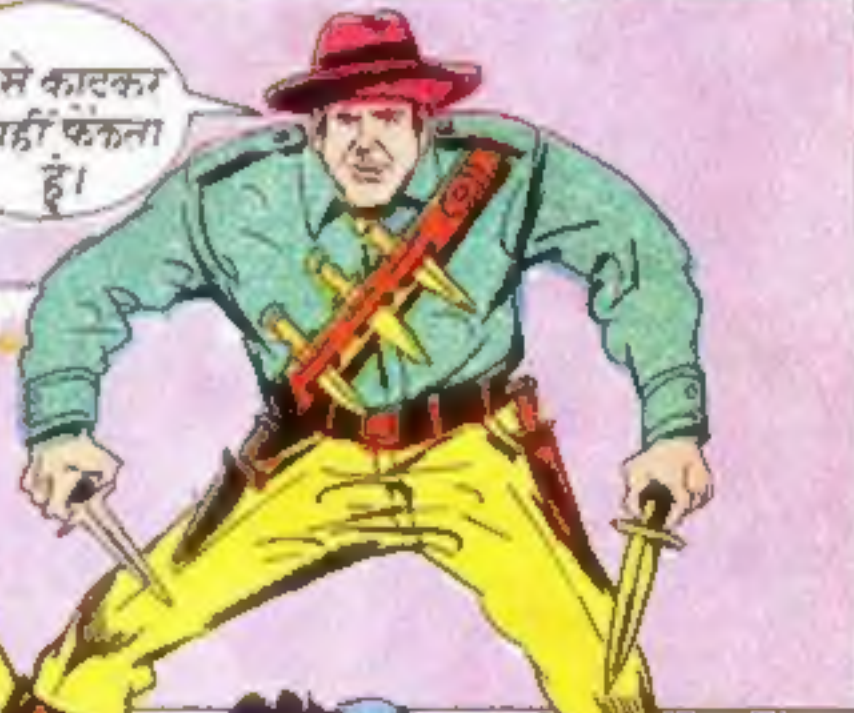


बचाओ ! मुझे इस लेगा ये, हिच

नागराज गोली से पहले पहुंचा —



इसे काटकर यहीं फेंकता हूं !



रैंडिकैटो का हाथ घूमा —



और फोलाद से भी मजबूत हूँ ये हाथ !



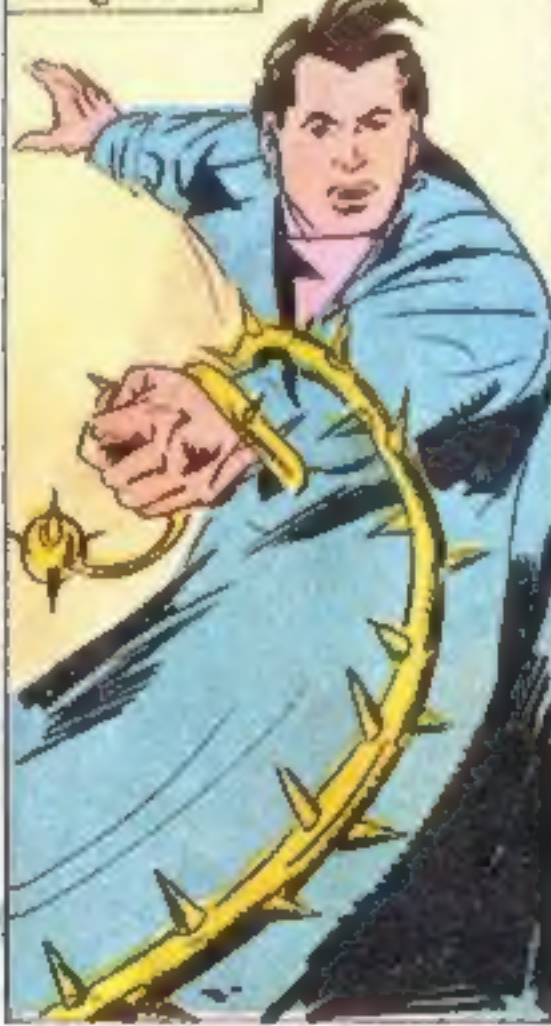
रैलीकैटों ने निकल लिया अपना विशेष हथियार हण्टर।



रावरी सम्राट हम्बराबी, गोल्डमैन माथू पीपू और इंकन बीन्गा देख रहे थे वह तमाशा —

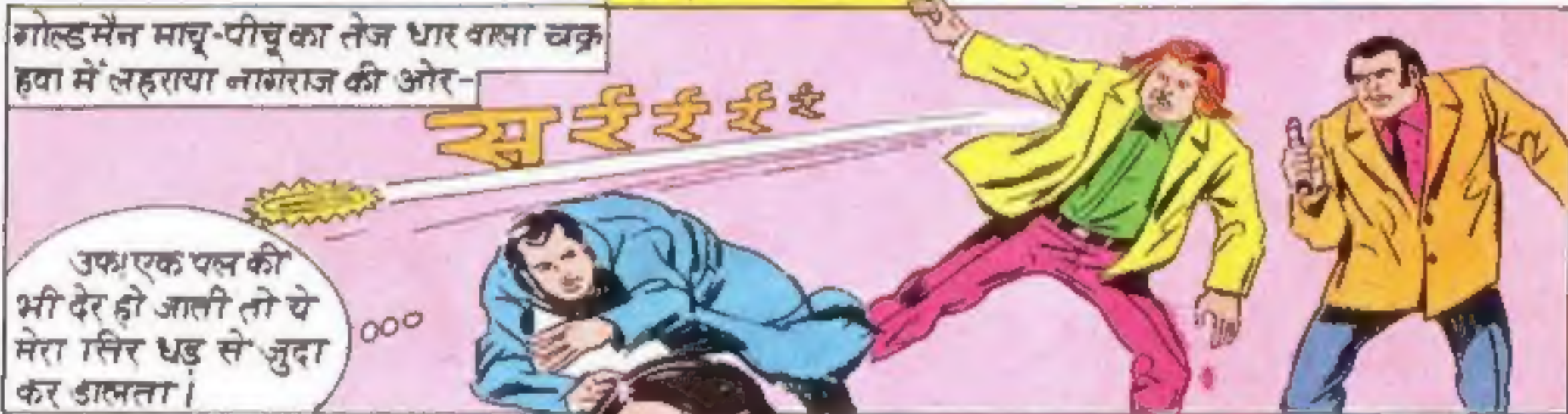


डुधर नागराज की कलाई से लिपट गया हण्टर —



नागराज की कलाई की हल्की सी हरकत, और —





न केवल बेचा, बल्कि—

ध्वाड़



ये तो मेरा
नरक ही मुझे
दे रहे हैं।



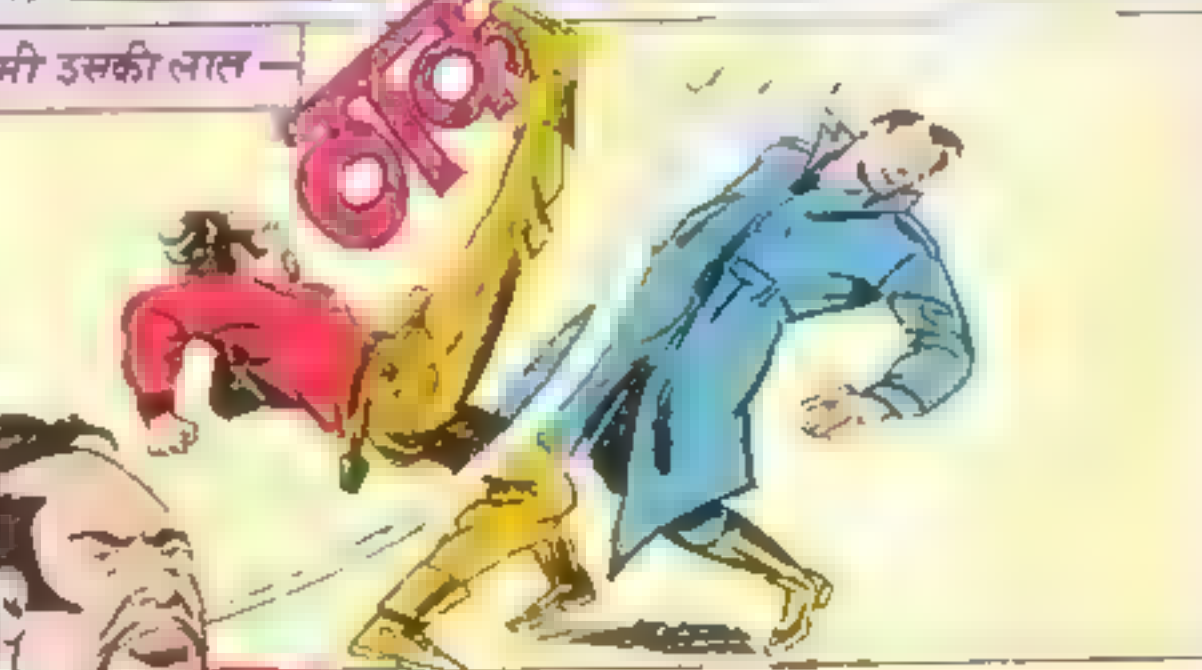
इकन डी-गा। इकन-स्टाडन का
माहिर—
इकन डी-गा
के स्टाडन में नहीं
जीन पायेगा न।



डारबी की नज़र झुमने हुए
इकन डी-गा एकएक
बहुतड़ाया —

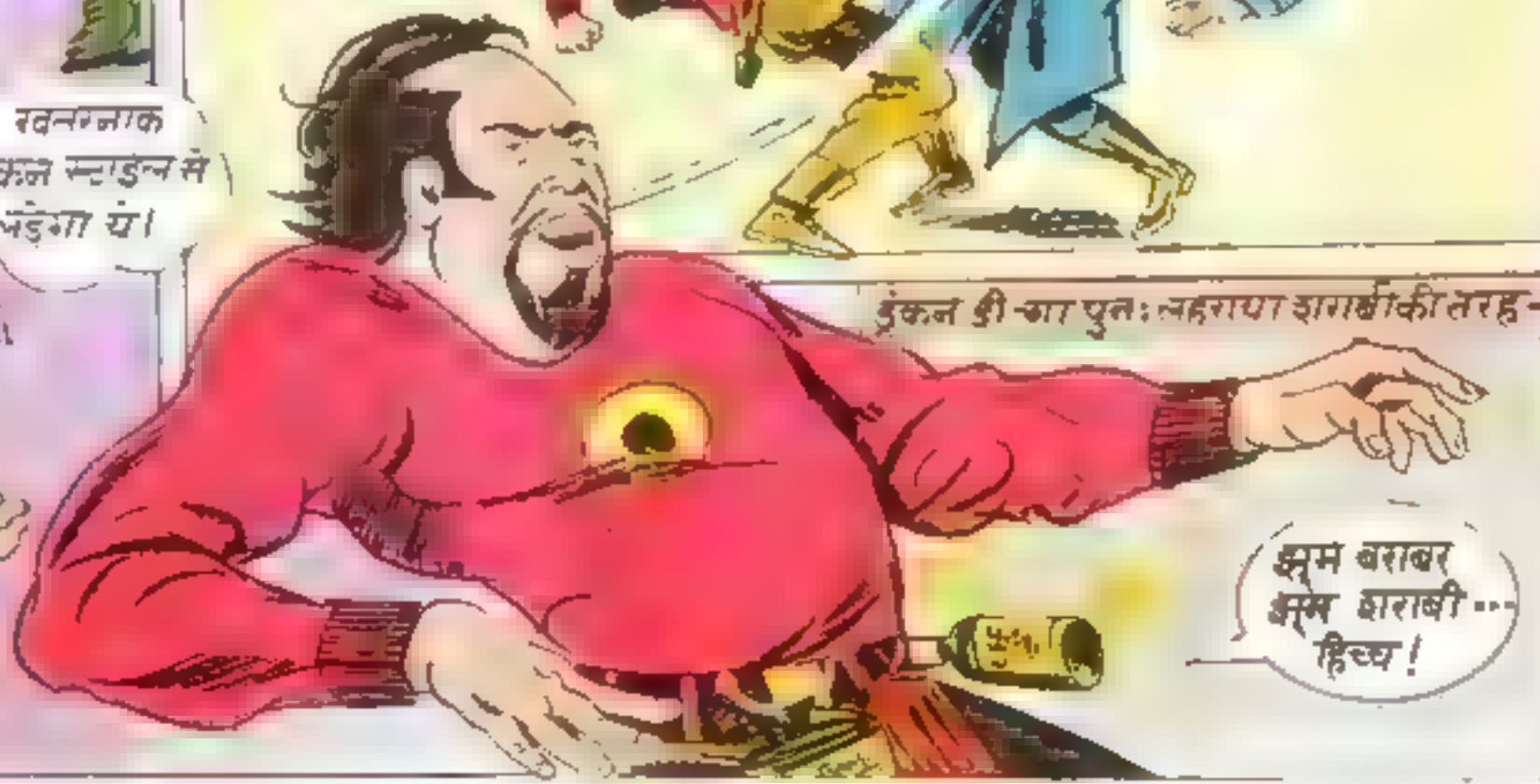


और घुमी उसकी लात —



रवन्नाक
इकन स्टाडन में
अड़ेगा यं।

इकन डी-गा पुनः लहराया डारबी की तरह—



लेकिन इस बार नागराज खुद भी अड़खड़ा रहा था काराबी की तरह —

इंकन डी-गा के लिए नागराज का वह वार असहनीय हो गया —



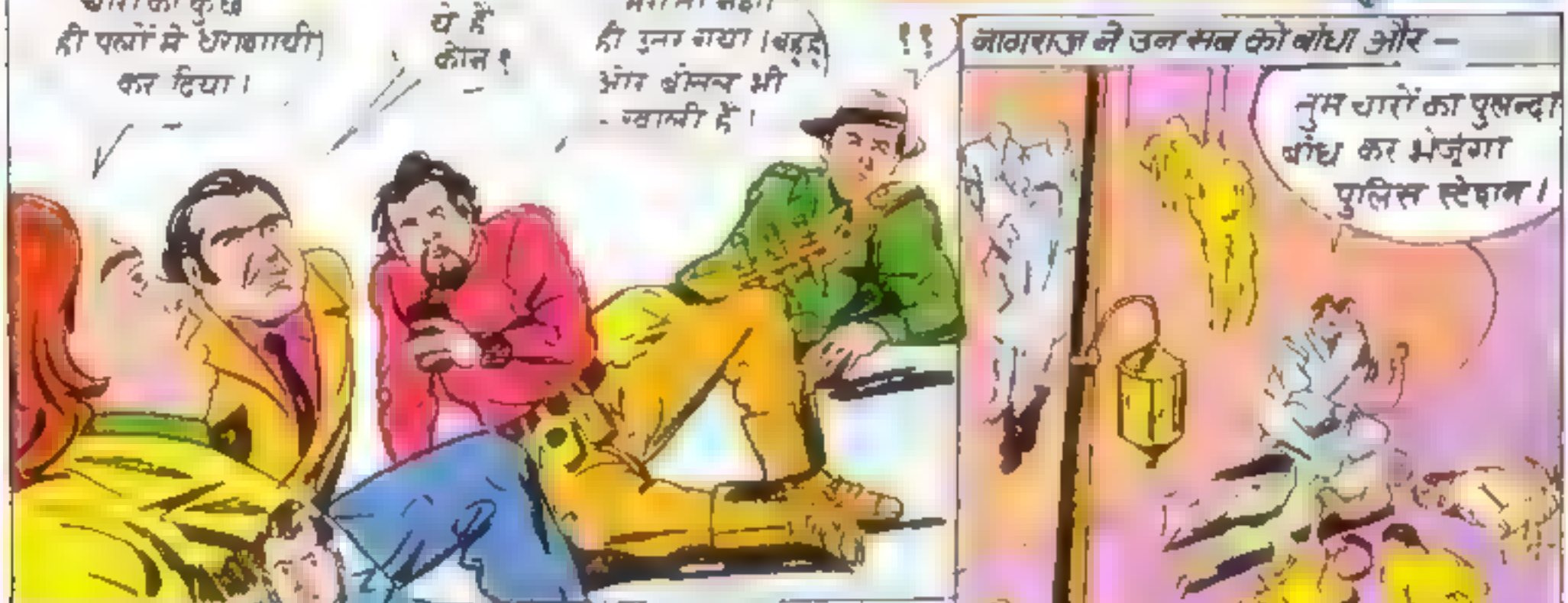
चारों को कुछ ही पलों में धरातारपी कर दिया।

ये हैं कौन ?

मैं तो नंगा ही हुआ गया। बड़ों और बंमन भी ग्वाली हैं।

!! नागराज ने उन सब को बांधा और —

सब चारों का पुसन्दा बांध कर भेजूंगा पुलिस स्टेशन।



और सभी चमकून रह गया नागराज!

आपक!



खोपड़ी घुम गई उसकी —

जादू था कुछ और !

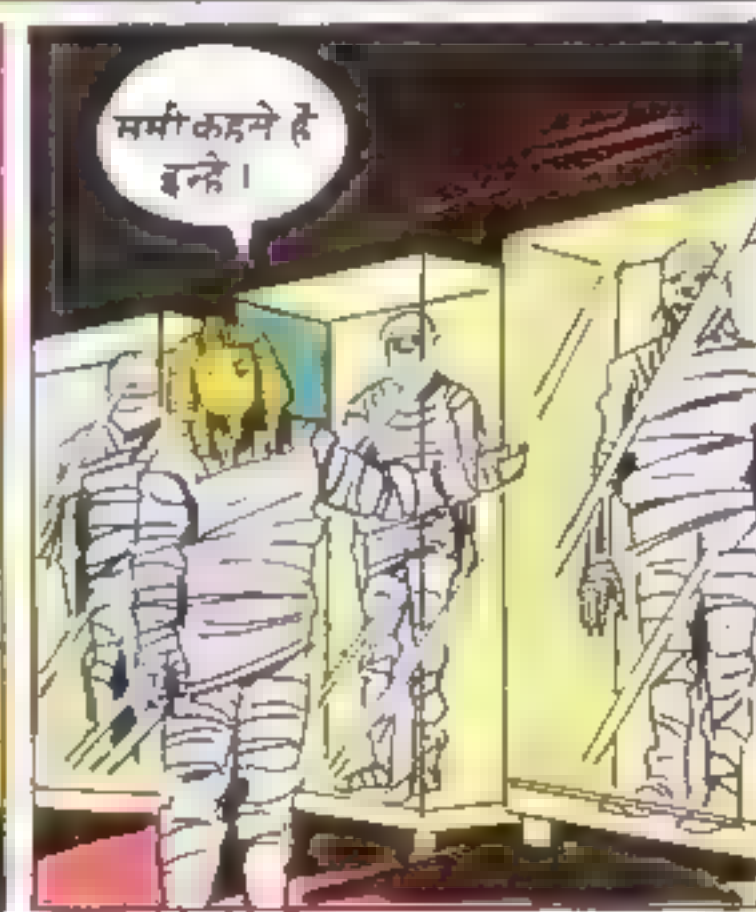
कल्प 'अरववार में' पढ़ा था तो यकीन नहीं हुआ था, अब हो गया!



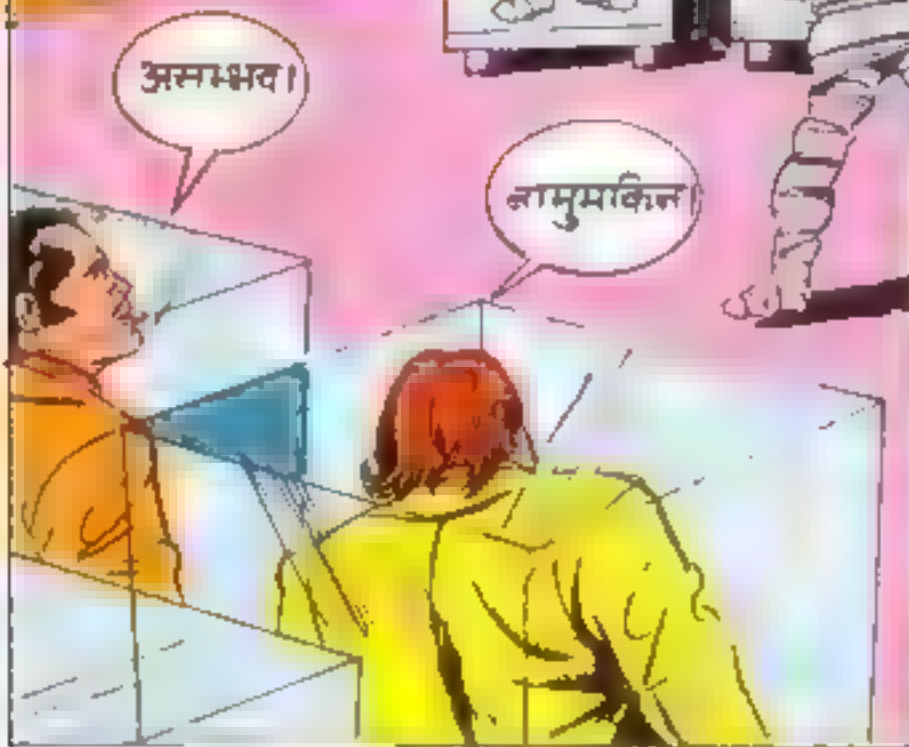


अपराधियों का मर्सीहा -- तुनेन स्वामेन। एक आम धारणा थी कि यह अदृश्य मानव था। खुद वह अपनी उम्र हजार साल बताता है। खुद को कहता है पिरामिडों से निकला फराहो राजा तुनेन स्वामेन।





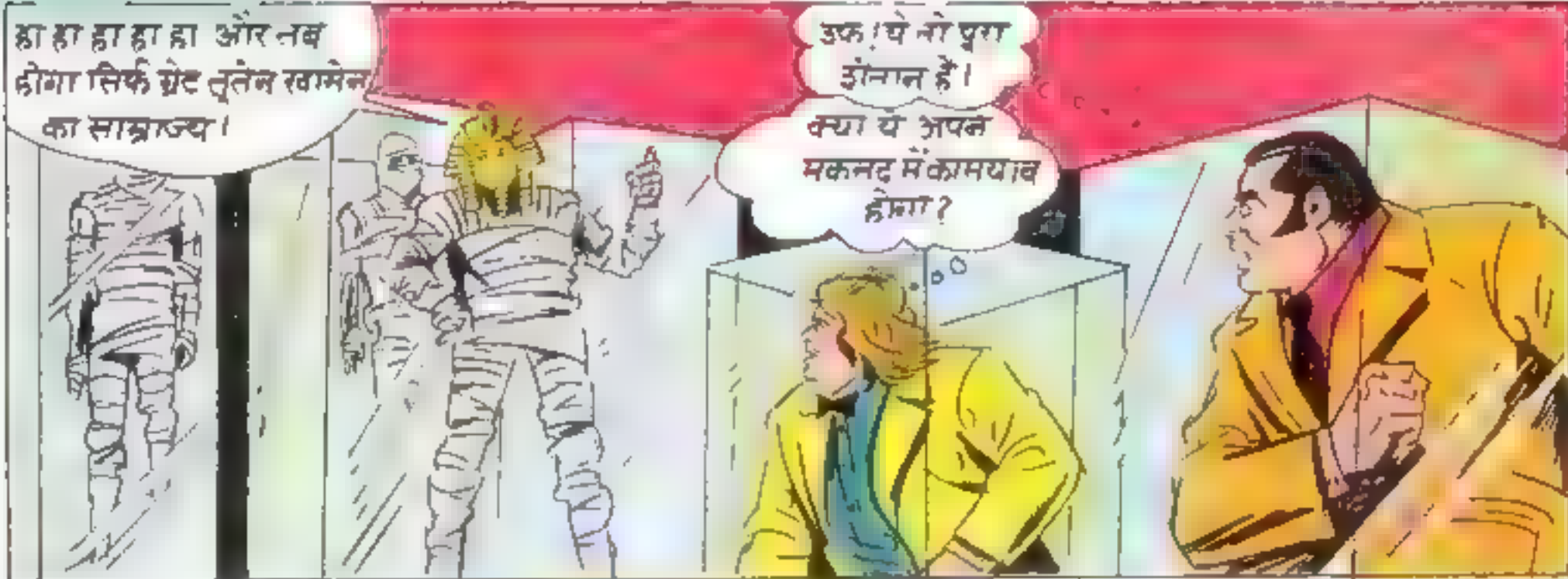
क्या आपने कभी कन्यता की हे कि
सैकड़ों वर्ग युगनी ममियां जीवित
भी हो सकती हैं ?



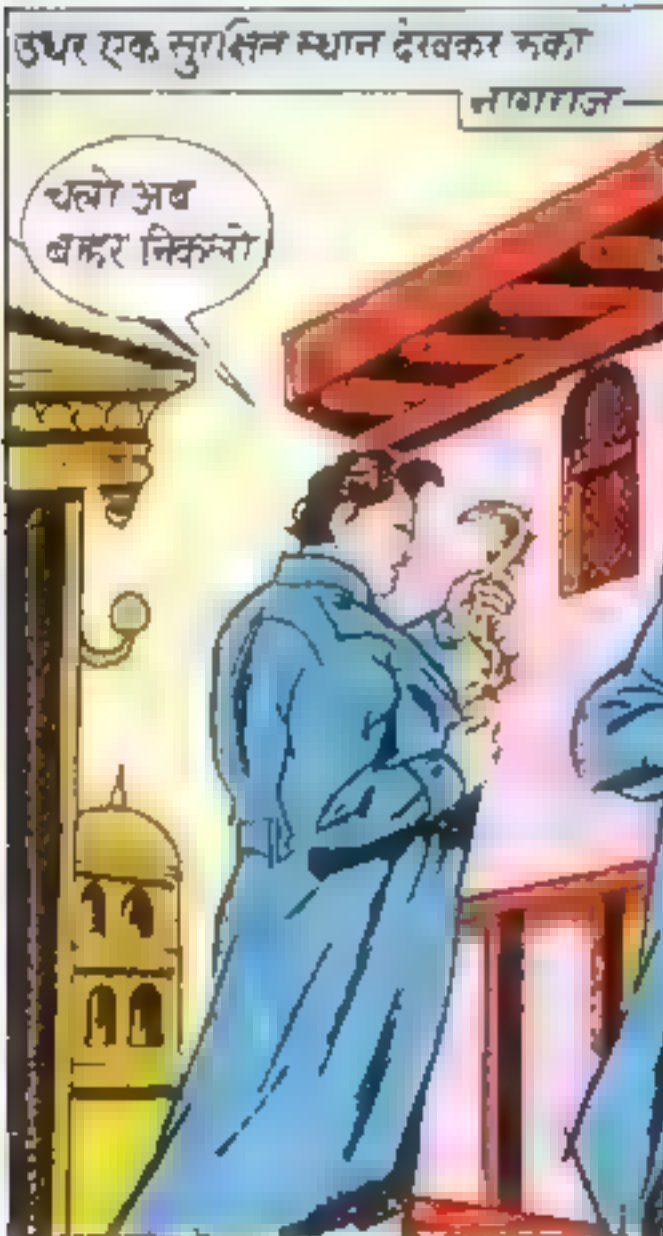
शेड नूतन स्वामिन ने लगाया एक
गवौकनाक अदृष्टदाम जो चेम्बर में
केंद्र सभी कैदियों को गेद नक
में सनमनी मचा गया —



हा हा हा हा हा और नव
होगा सिर्फ़ छोट तूतेन खामेन
का साम्राज्य।



उधर एक सुरक्षित स्थान देखकर रुका
नागराज—



ओवरकोट उनाकर
नागराज आ गया अपने
असली रूप में—



अभी तो
नागराज।



अब बताओ कि तुम कौन हो
और वे बदमाश तुम्हारे पीछे
क्यों लगे थे?



वे मेरे पीछे
नहीं नागराज,
बल्कि तुम्हारे पीछे
लगे हैं।



मेरा नाम मोडोर्गी
है नागराज। पिगमिडों के
नीचे बनी हजारों हजार रहस्य-
मय गुफाएं मेरा निवास हैं।



अक्सर इन
गुफाओं में अबका में
मानवीय धारण कर डहर
की सकारात्मक में रमने का
प्रयत्न करनी हूँ।



अपने इसी
दुःसाहस के कारण
आज मैं संकट में
रह गई।

न जाने कब उस सपने ने मुझ पर जादू का दिया—



आह!



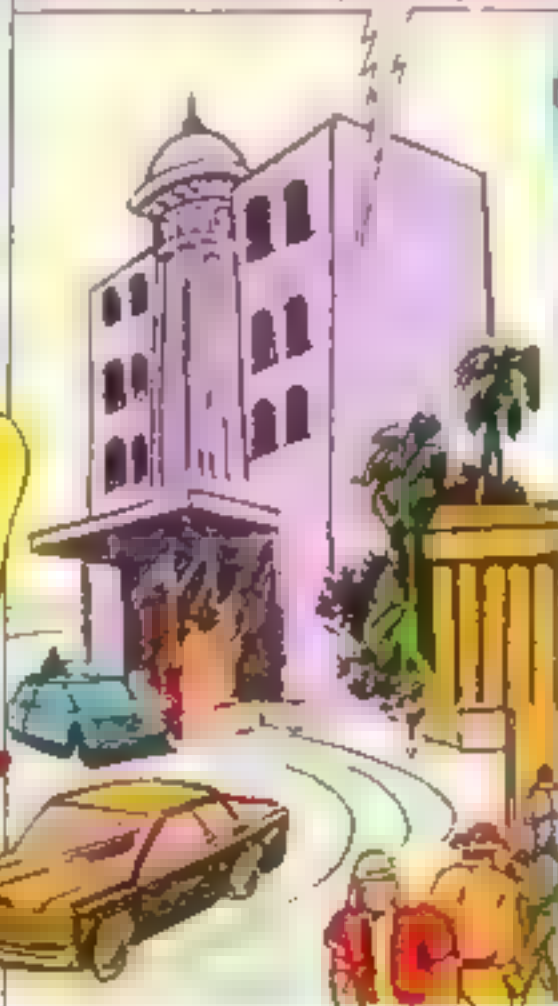
मैं उसके चंगुल में फँस गई—

कई दिनों में था किसी
दुस्साधारि नारा या नागिन
की तलाश में।

तुझे बेचकर
दो लाख के माऊंगा

सपने ने मुझे उन लोगों तक पहुँचा
दिया।

मुना है इच्छाधारी
नारा अथवा नागिन दुनिया
के किसी कोने में भी नागराज से
सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।



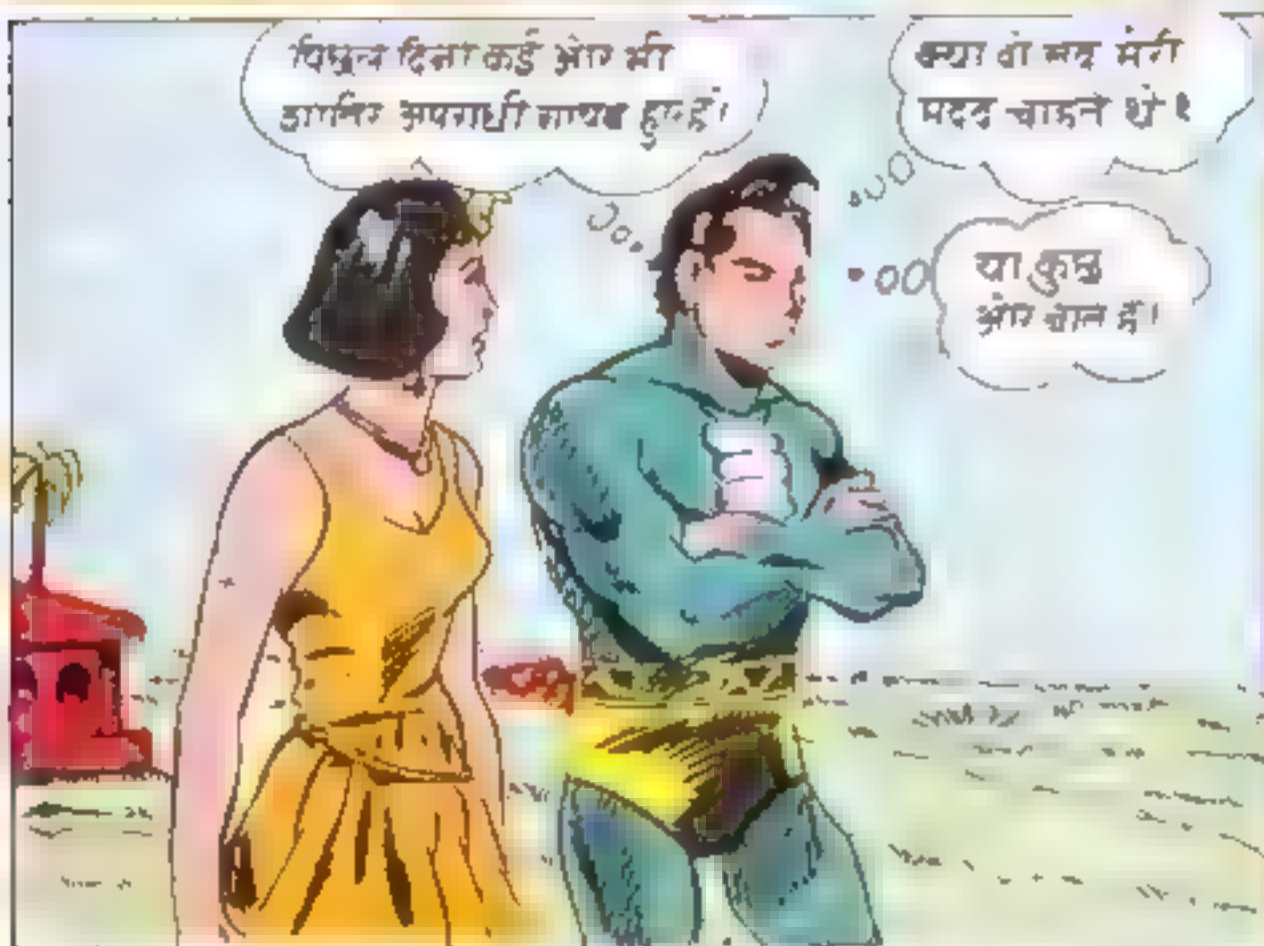
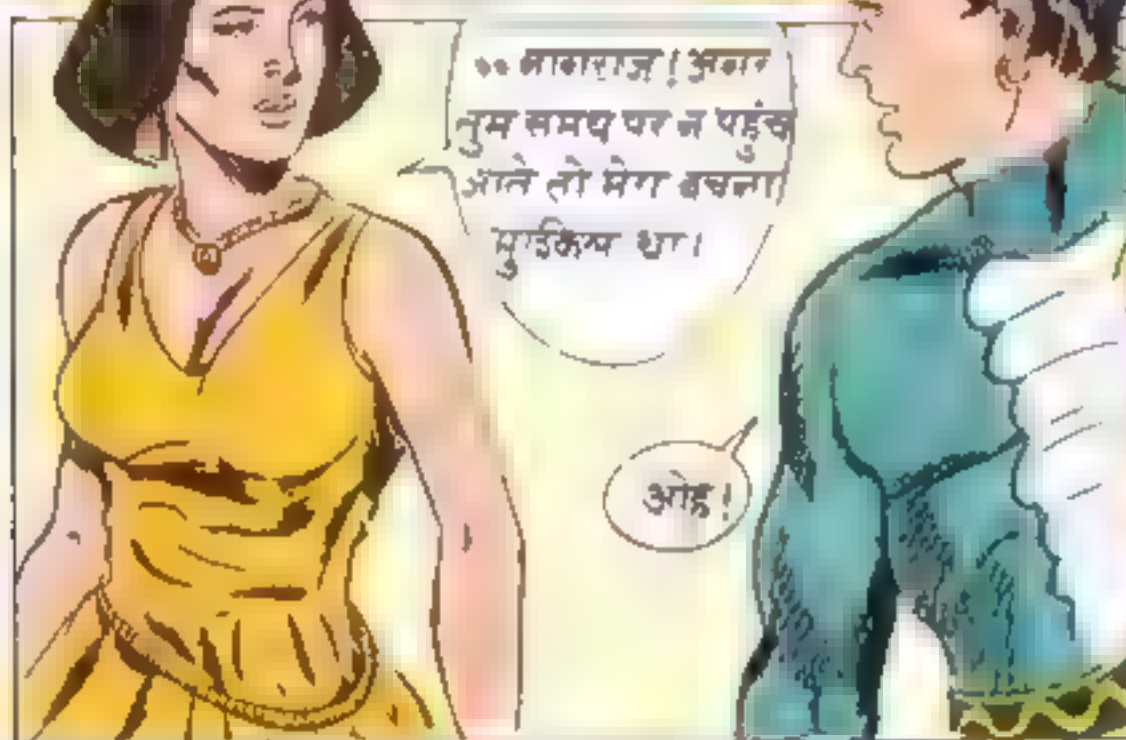
ये नागिन अब हमें
यहूँचाएनी नागराज तक।

मुना है बड़ी
कटीवी है ये नागिन
हिस्स।





...इस प्रकार मैं निकल भागी उनकी कद से...



क्या तुम लूतेन स्वामेन नाम के किसी झोतान को जानती हो, जो खुद को पिरामिडों से निकला कहते हैं ?

क्या तुम जानती हो उसे सैंडागी ?

नहीं, लेकिन मैं तुम्हें वहाँ तक पहुंचा अवश्य सकती हूँ...

ग्रेट लूतेन स्वामेन !

... ग्रेट लूतेन स्वामेन का रहस्यमय संसार इन्हीं पिरामिडों के नीचे निर्मित है नागराज !

तब-

तुम्हें एक बार फिर मेरे जिस्म को अपना निवास स्थान बनाना होगा सैंडागी !

... क्योंकि इस रूप में अगर तुम मेरे साथ रही तो शापद में अपना काम निर्विघ्न पूरा ना कर सकोगा !

ओह !

नागराज के शरीर में घुस जाने वाले सैंकड़ों हजारों साँपों की संख्या में एक और नाम जुड़ गया...

ग्रेट लूतेन स्वामेन का दरबार -

अब मैं तुम सब की आत्माओं को मारियों में प्रविष्ट कराऊंगा !

... सैंडागी का !

जादू के उस शहशाह ने न जाने क्या किया कि —



माधू-पीधू की आत्मा समा गई एक समी में —



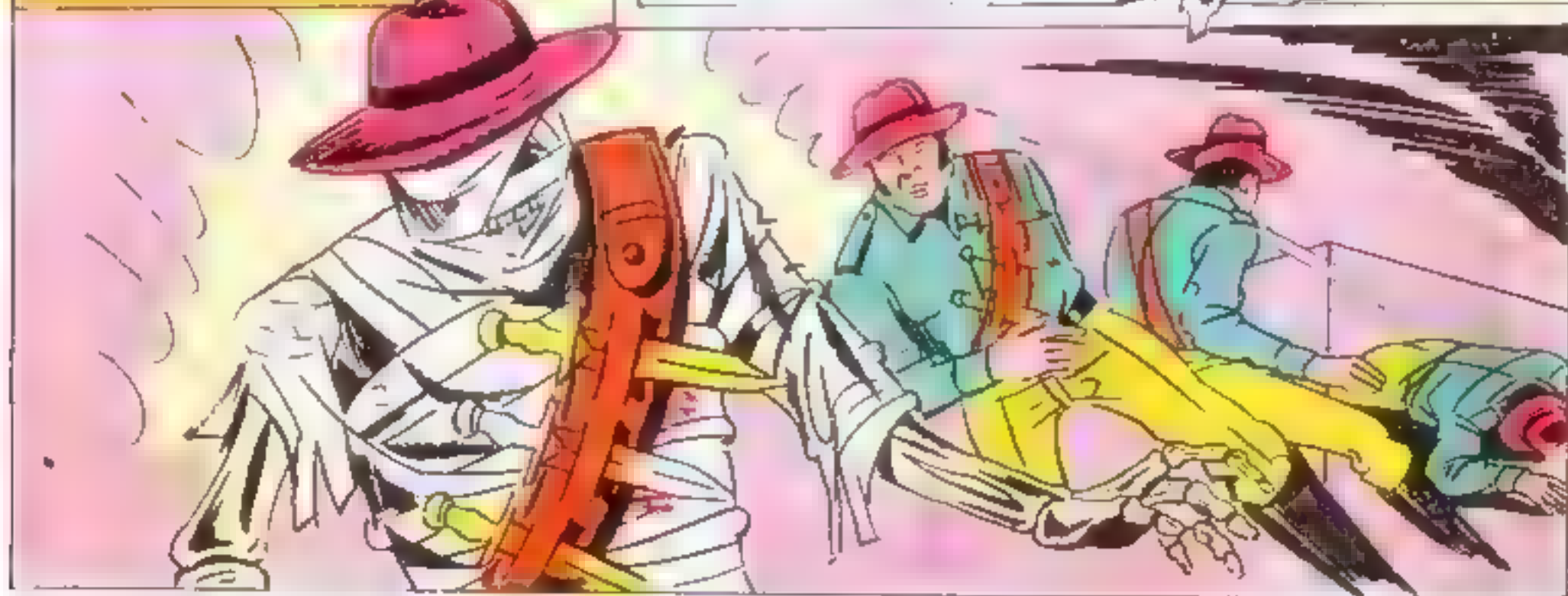
समी अब बन गई शोला में न
माधू-पीधू —



रौखरी सम्राट हम्बू गयी —



पंडोवर कानिअ रेंदोकेटो —



इस मशरूफ़ ड्रंकन डी-गा —

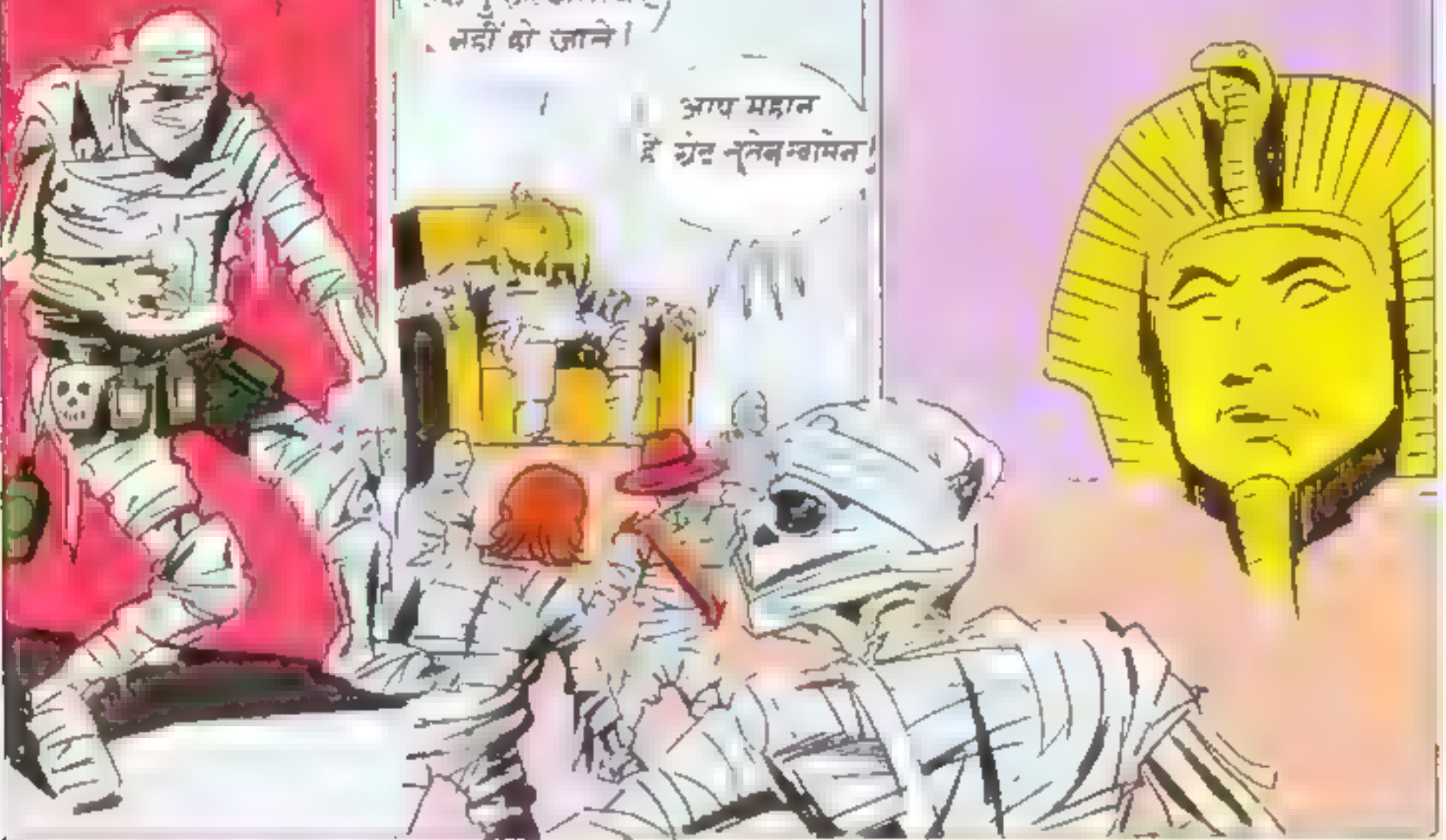
हिच!

ग्रेट नूनेन स्वामिन मुस्कग उठा अपनी कामयाबी पर —

अब नुमतब
नक जीविन हो, जब
नक नुम्हारे डीगि नष्ट
नहीं हो जाने।

आप महान
है ग्रेट नूनेन स्वामिन!

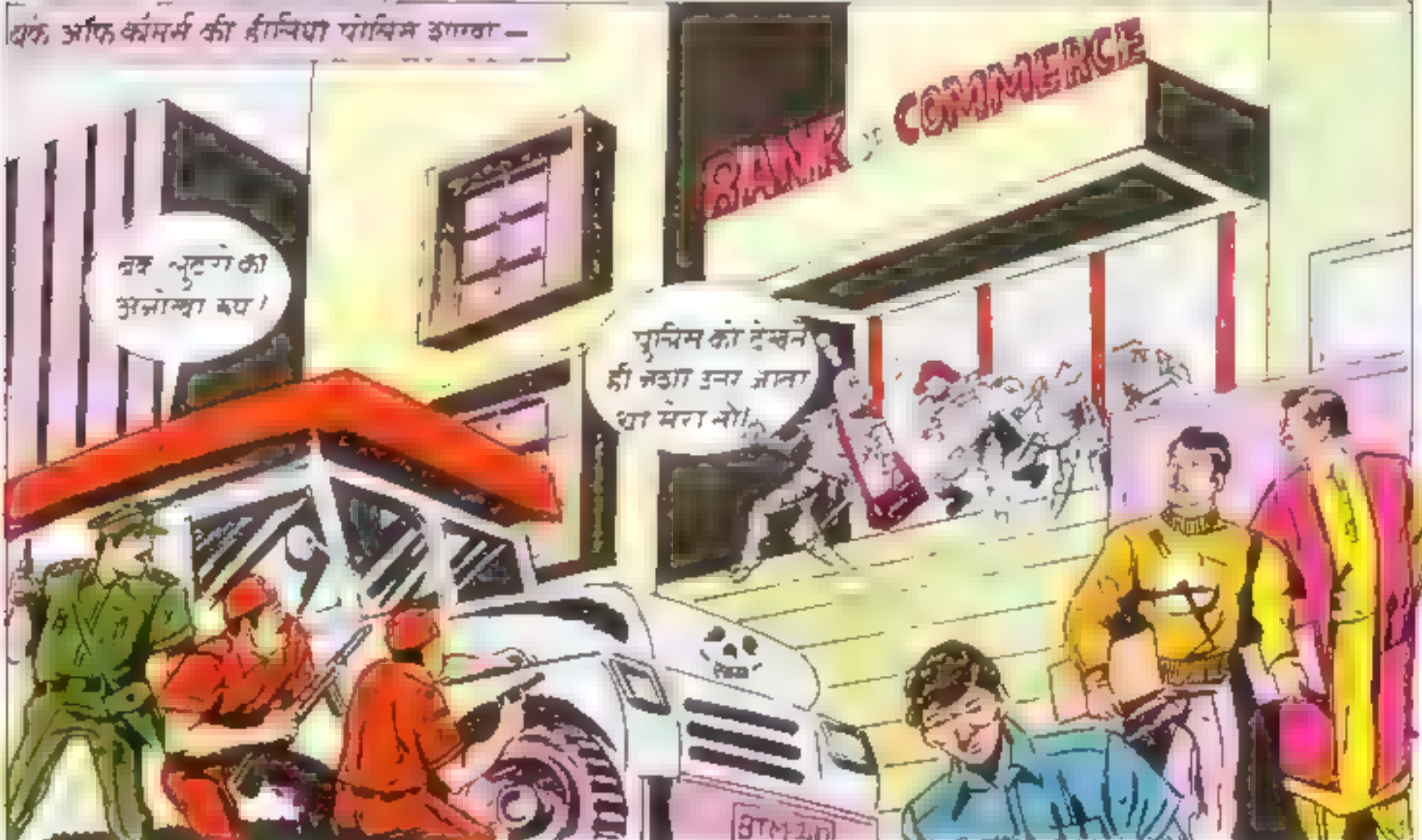
आज मैं दुनिया को दिवाडंगा एक महान आडचर्य।
बिनाके आज बिबव के मानों आडचर्य भी हो
आपेंग डीन माविन!



यक ऑफ काँमकम की डीविषा योविम डीगवा —

नक नुम्हारे की
अनोन्हा डीग!

युविम की देखने
ही नडा डीग डीग
या मेरा नो।



लेकिन आज ...
हिच ! नशा खद रहा है
और ज्यादा हिच !

आश्चर्य में मुंह बाए खड़े पुलिस
ऑफिसर के मुंह में घुम गई एक
डोनाल मकड़ी ! जिसे धुकका
चींग पड़ा वो —

कई गोबियां उन अनोखे लुटेरों के अनोखे जिम्मों से
टकराईं —



वे फिर भी खद खदे जाए —



गोबियां
का असर
नहीं !



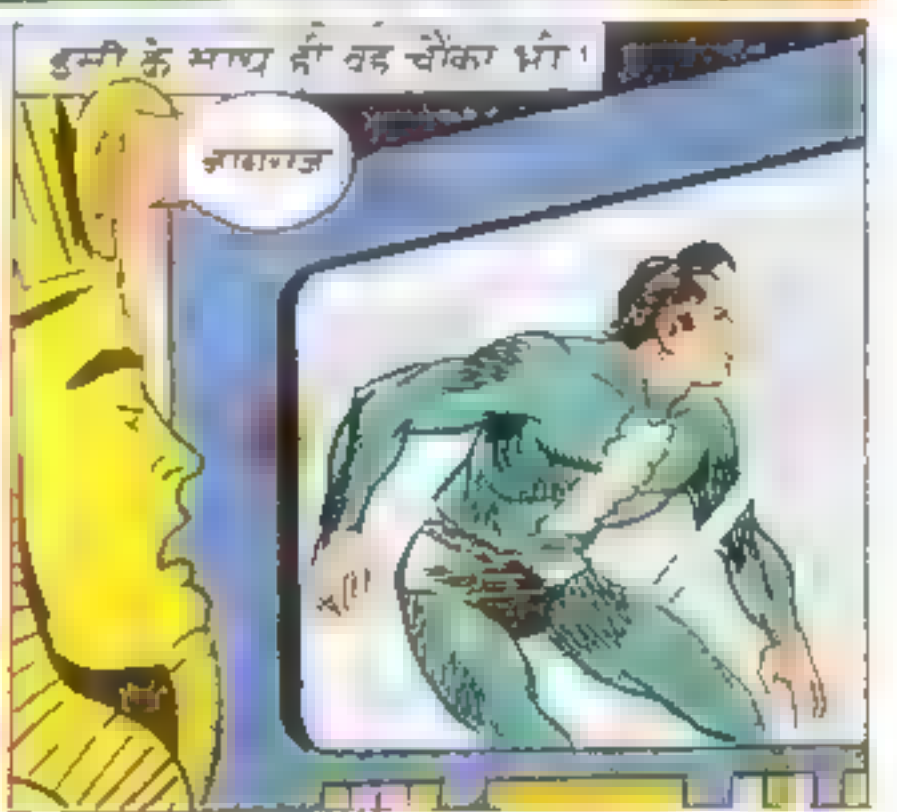
गोबियां खरी पर
खून की एक बूंद तक
न बहती !

मरकार ने हमनकारी
गोबियां ही दुहे इ आगद !



नैन-खामेन ने देखा वह एक एक हउय

घेत नैन खामेन
के नैन नपक अयनी
यहनी जीत दर्ज करके
लौट रहे हैं !

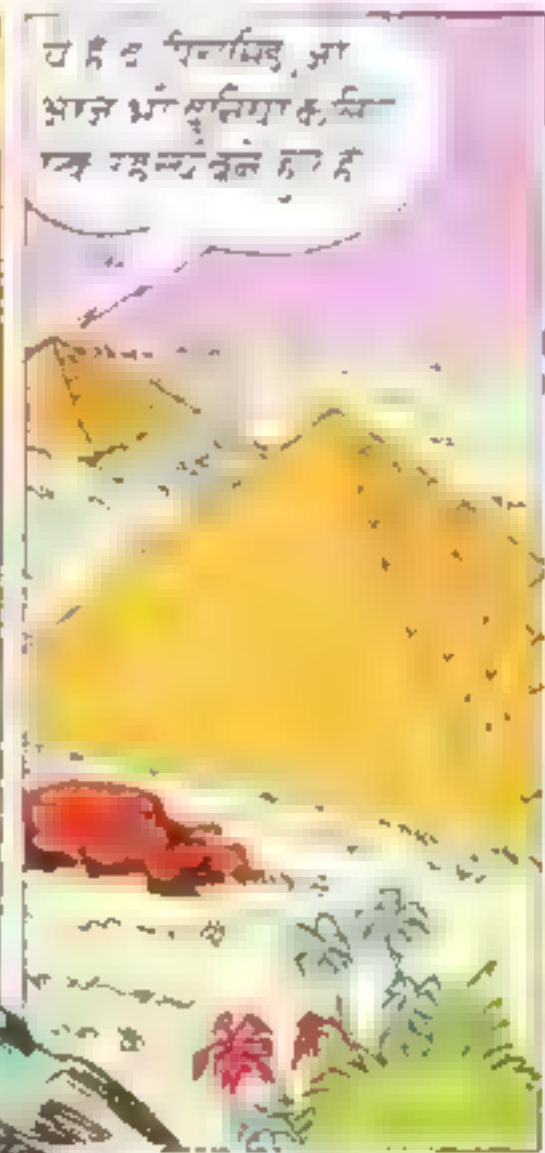
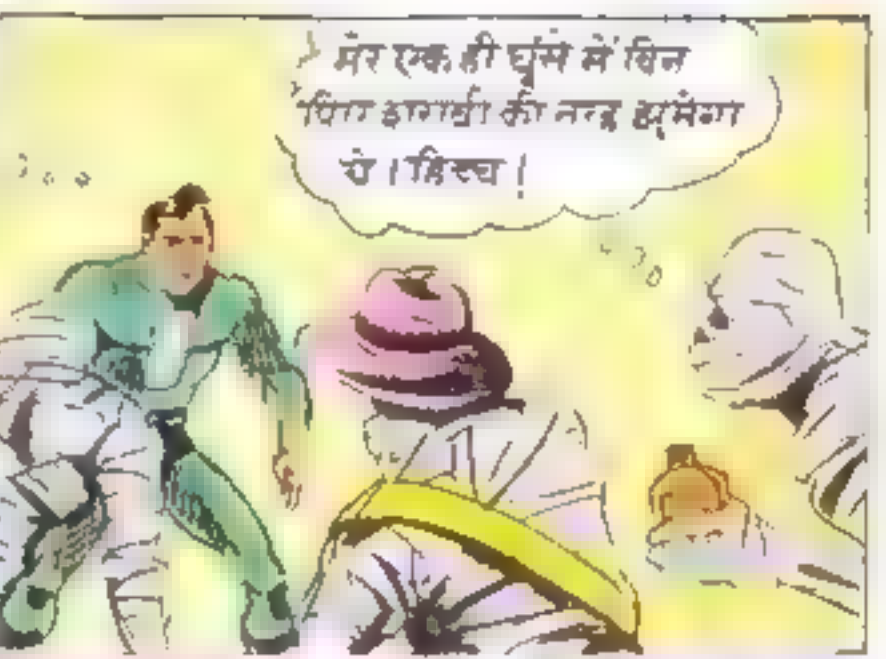


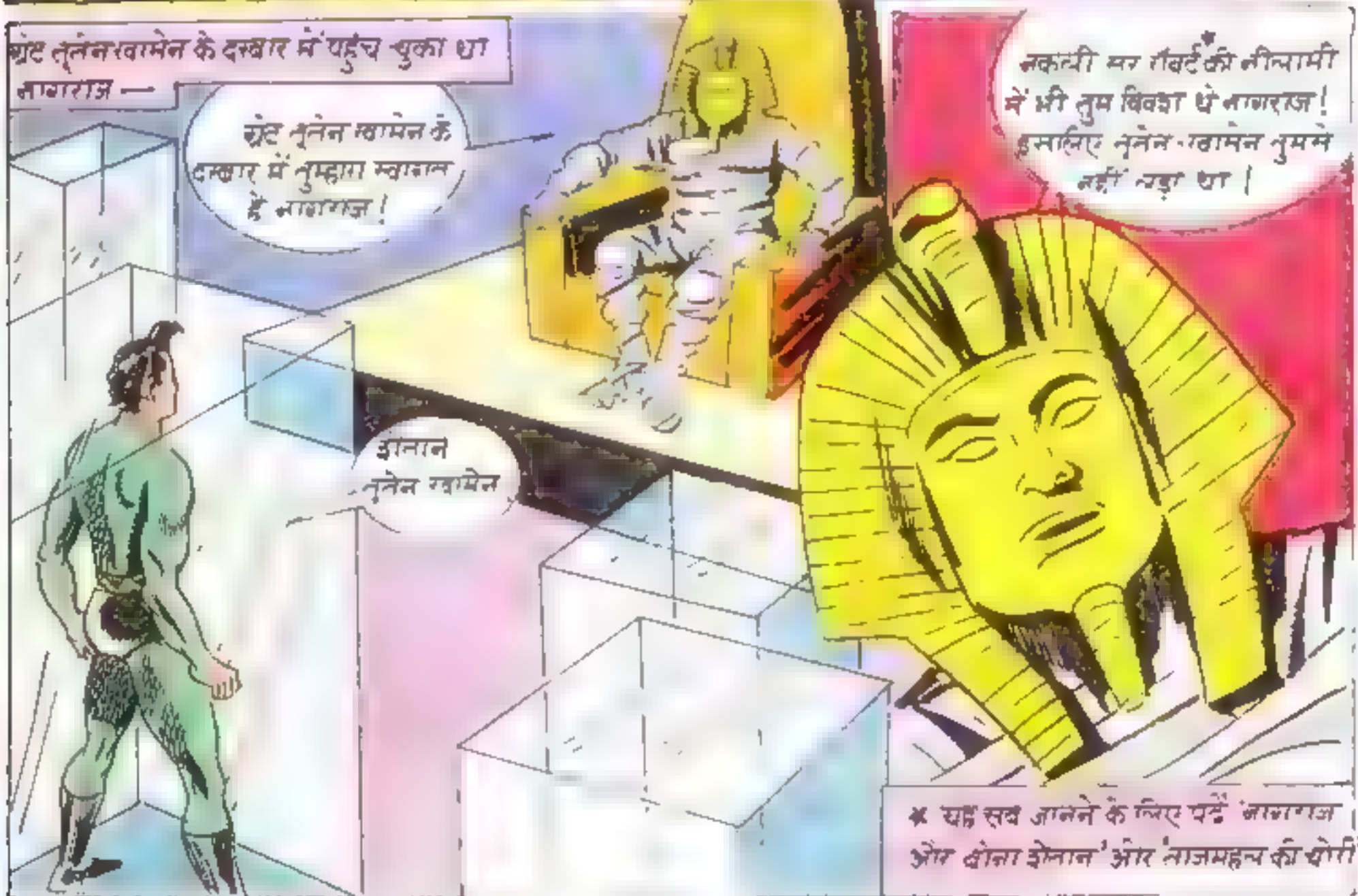
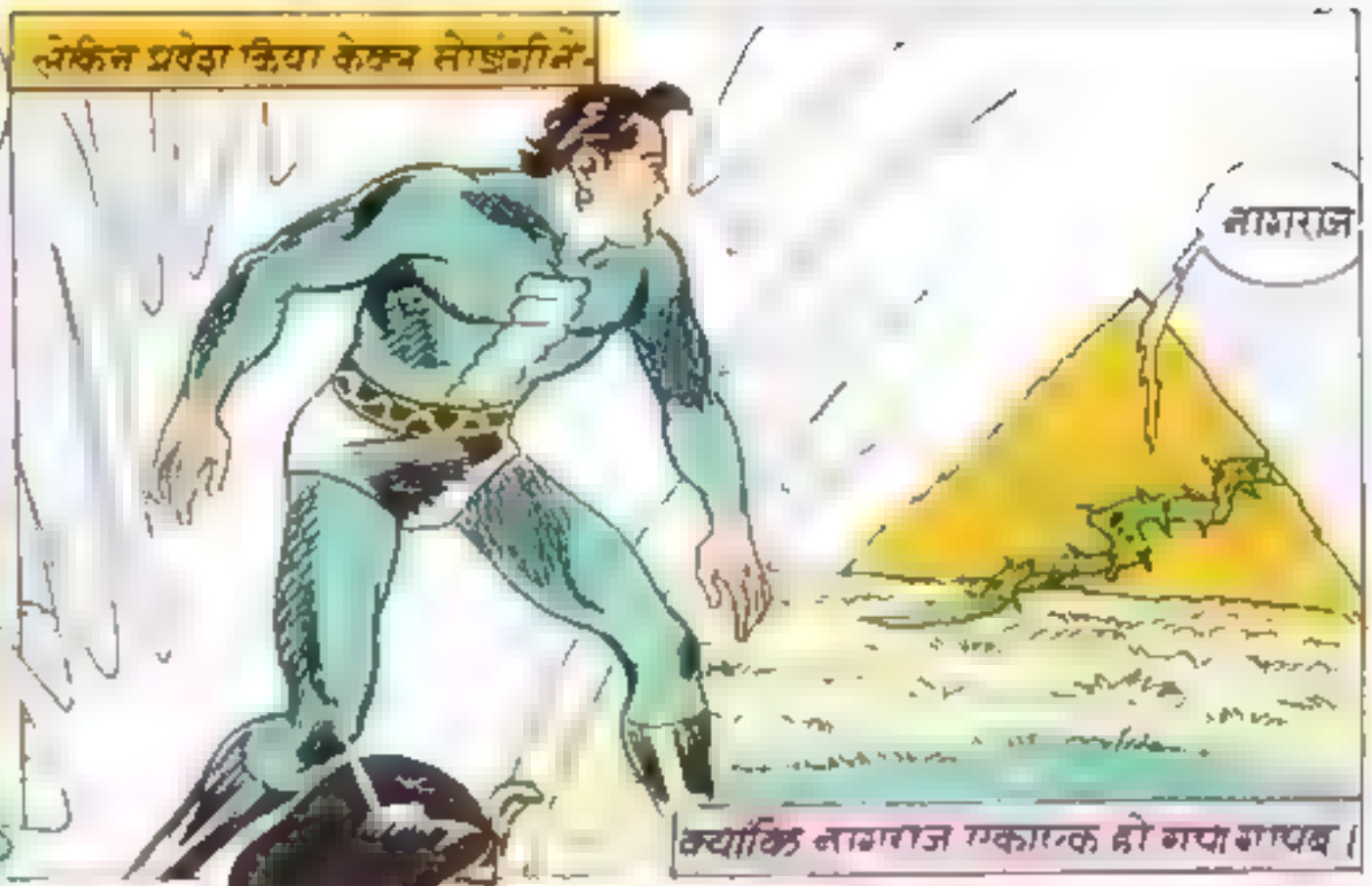
हुम्मी के भाष्य ही खद चौका भी !

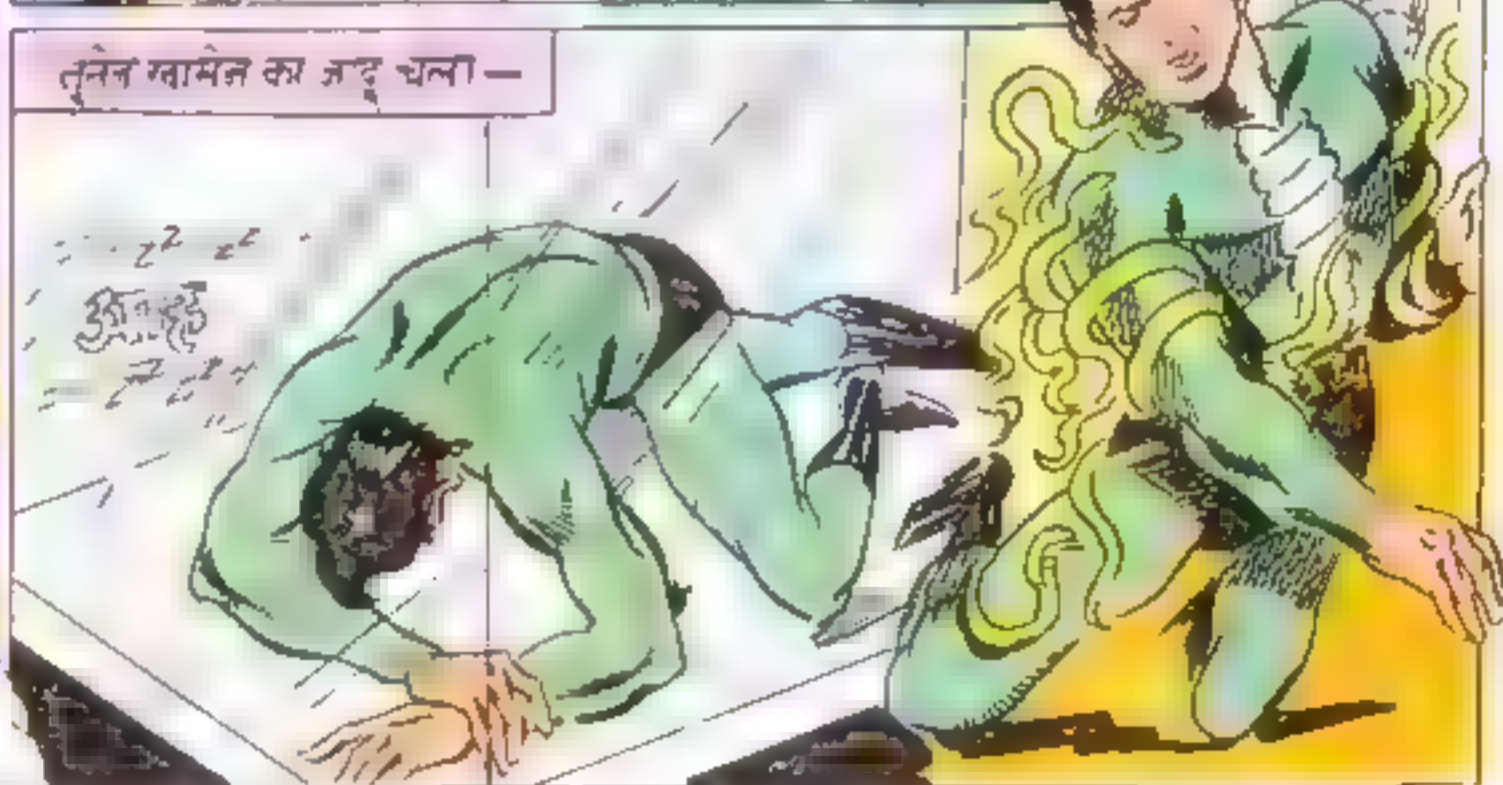
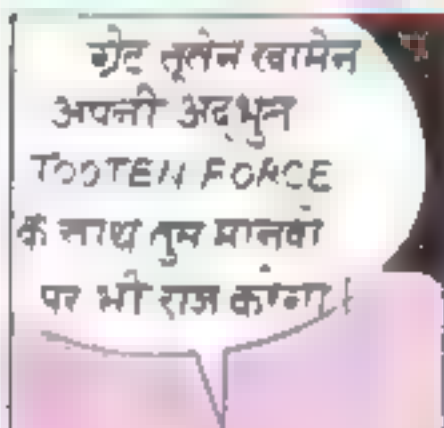
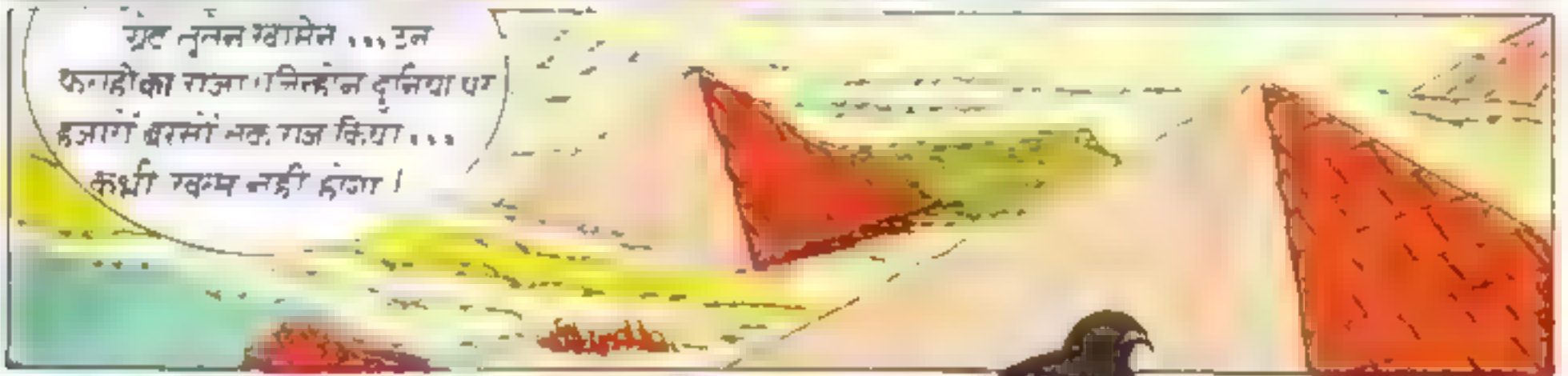
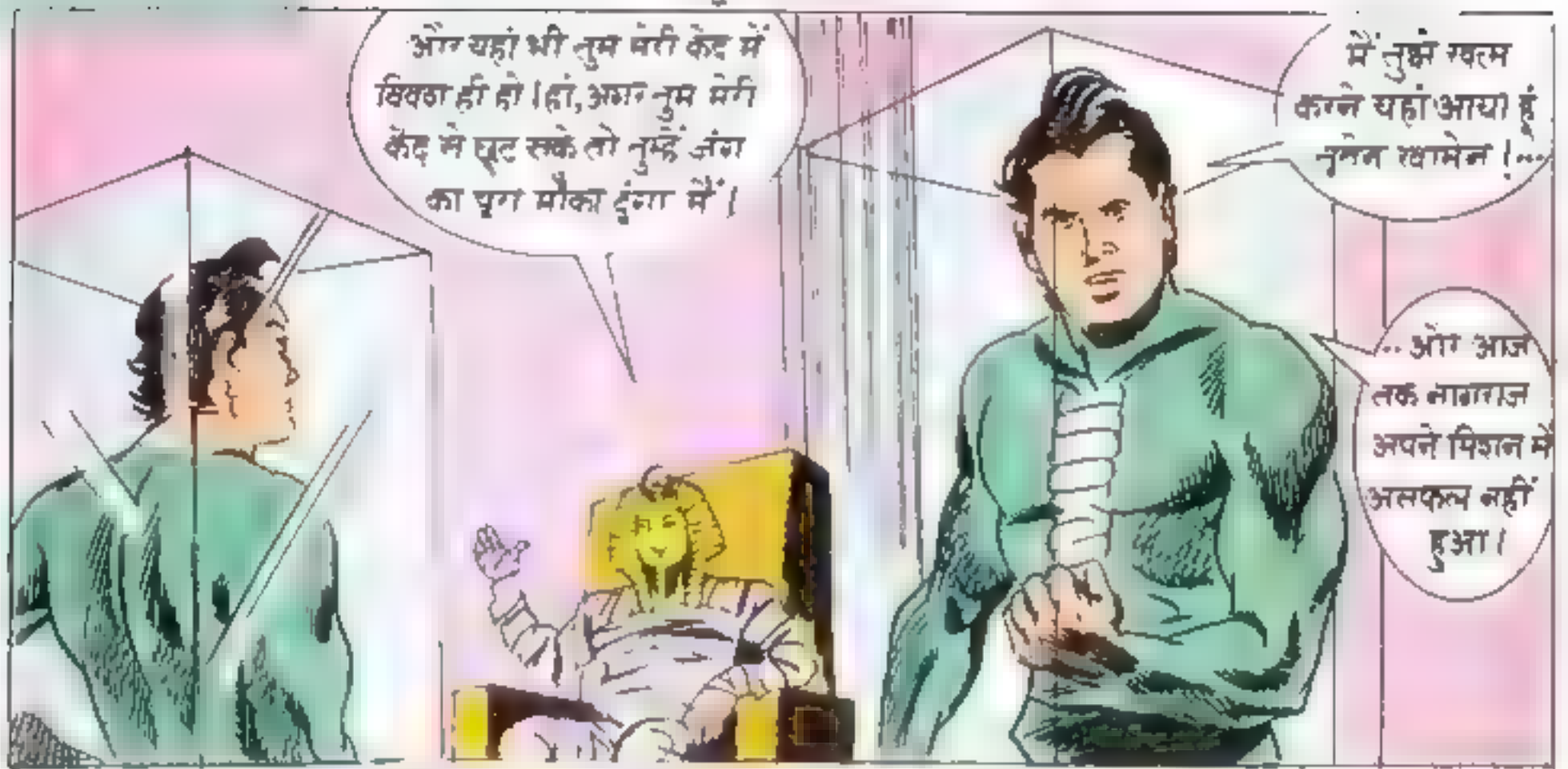
जादूगज













नागराज की आत्मा चली उस ममी की ओर—

नूतन स्वामेन के चेहरे पर
मंडरा रही थी कामचाबी
की जबरवस्त खुशी —

हाँक इसी पल नागराज
भयंकर विष-कुंठों —

सैकड़ों विषधनों का
भयंकर विष! ममी
काँच सहित मोम की
तरह पिघली —

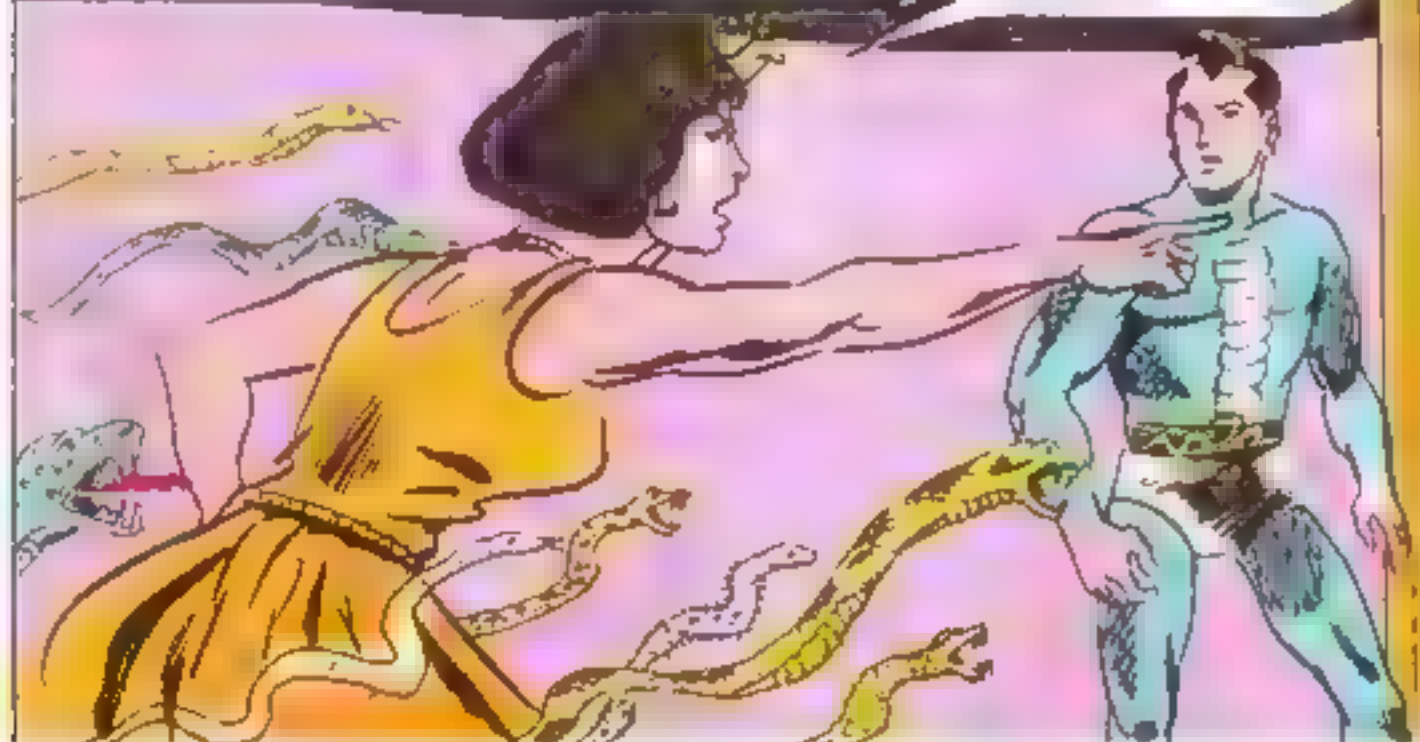
आदू दूटा और नागराज की आत्मा
तेजी से समा गई वापस नागराज
के जिम्मे में —

नागराज! ममी के कब्र
में अब नुमाई शक्तिधों का
इम्तेमाल ग्रह नूतन स्वामेन
करेगा।



अब कुछ हुआ पलक झपकने ही, नजर आई सौदागी,
गिरामिहों में काम का रहे सैकड़ों सगैरों का साथ।

नागराज! खन्म
का दा इमे डोनाज को।



नागराज शीशों का केबिन तोड़कर
बाहर आ चुका था।



नागराज की पत्थर को भी पिघला देने वाली भयंकर विषकुंवार —

तुम हर बार बच निकले
नागराज के हाथों। अब नहीं
बचोगे।

बस नागराज! तुम्हें मेरी
सेना का नायक बनना है। तुम्हारे
हाथों अपनी ही सेना का
वध और नहीं होने देगा।

तूतेन-खामेन का हाथ
बड़ा अपने मुखौटे की
ओर, तभी चीख पड़ी
सौदागी —

इसकी
डाकिलि का राज
पड़ी मुखौटा
है नागराज!

नागराज की सर्व सेना एक झपकते ही लें उड़ी तूतेन का
मुखौटा —

ग्रेट तूतेन खामेन का सिंहासन उठा हवा में —

नागराज ने जम्प ली। हाथ आधा तूतेन खामेन के जिस्म पर
स्विपटी पड़ती का एक कोना —

तुझे फरार
नहीं होने देगा
तूतेन खामेन!



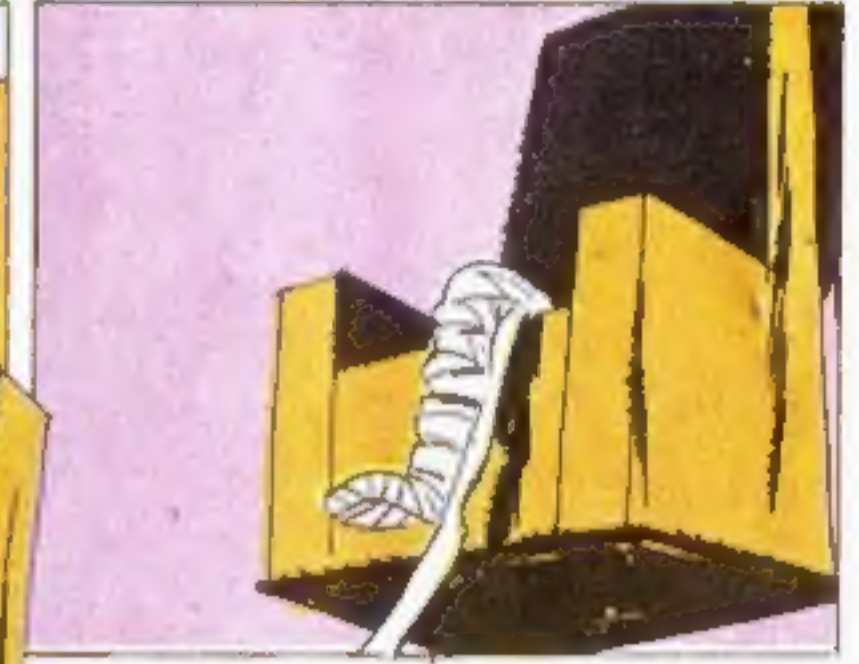
नागराज उधलकर वापस फर्जी पर गिरा। लेकिन —

इसके जिस्म पर लिपटी इस फर्जी के नीचे क्या है ?



नागराज तूतेन खामेन की बाखियां उधेड़ता चला गया।

जादू का शहंशाह ही तो निकला तूतेन -खामेन —



नागराज और सौडांगी भी चमत्कृत में खड़े थे—

पिरामिडों से निकलना
फराहो राजा! क्या
सच ही है?

क्या मैं
सच ही उसे खत्म
कर सका हूँ!



फिर ज्वालक ही गायब हो
गया सिंहासन —



और वह मुखौटा...

...जिसे सर्व सेना ले
उड़ी थी।

उधर पिरामिड के ही नीचे किसी विनाश गुफा
में कैद किए गए आतिश चमत्कारिक दंग से
आजाद हो गए —

मैं तो अब
अपराध करना ही
छोड़ दूंगा। मौत के सुंह
से निकलना है नागराज
ने हमें।

भागो
यहां से निकलो!



इधर नागराज —

नागराज!
अगर मैं भी महा
कं लिए तुम्हारे जिस्म
में निवास करूँ तो?

शुक्रिया
नागराज!



तुझे बहुत खुशी
होगी सौडांगी!

और सौडांगी के रूप में नागराज को मिली पिरामिडों की रानी! जो
अब नागराज के सफर में उसके साथ थी।

समाप्त